हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 52 | लखनऊ शनिवार 03 जनवरी 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

राजनाथ सिंह का उदयपुर से बड़ा संदेश

उदयपुर (एजेन्सी)। देश की समृद्ध सभ्यतागत विरासत की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आधुनिक भारत अपने प्राचीन अतीत और सांस्कृतिक परंपराओं को मान्यता देकर शक्ति और गौरव प्राप्त करता है। मेवाड़ के महाराणा भूपाल सिंह जी के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस समारोह को उदयपुर में संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने विज्ञान, चिकित्सा, गणित, व्याकरण, दर्शन और नैतिकता जैसे विभिन्न विषयों में ज्ञान प्रणालियों में भारत के स्थायी योगदान पर प्रकाश डाला। सिंह ने कहा कि आज का भारत अपने अतीत पर गर्व करता है। आज का भारत अपनी परंपराओं का सम्मान करता है और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को महत्व देता है। भारत की धरती ने चरक, सुश्रुत, आर्यभट, ब्रह्मगुप्त, माधव, पाणिनी, पतंजलि, नागार्जुन, पिंगला, मैत्रेयी, गार्गी और तिरुवल्लुवर जैसे विद्वानों को जन्म दिया है।

पश्चिम बंगाल मे भाजपा बनाएगी सरकार : शुभेंदु

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस विपक्ष में होगी। उन्होंने यह भी कहा कि चल रही एसआईआर प्रक्रिया चुनावों के नतीजों का संकेत है। उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है तो वह जनता के लिए बेहतर कल्याणकारी योजनाएं लाएंगी। उन्होंने कहा कि टीएमसी यह झूठ फैला रही है कि ममता बनर्जी सरकार की महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली श्लोकखीर भंडारश योजना को भाजपा बंद कर देगी। अधिकारी ने मालदा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस अप्रैल में पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल बन जाएगी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव इस साल के पहले छह महीनों में होने हैं। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य में टीएमसी और भाजपा को मिले वोटों में सिर्फ 40 लाख का अंतर था।

खरगे ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण कई लोगों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि "जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा की तरह इस मामले पर भी मौन हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और घांधली हो रही है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह वही इंदौर शहर है जिसने केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार आठवीं बार स्वसे स्वच्छ शहर का खिताब जीता है। ये शर्मनाक बात है कि यहां पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ पानी के मोहताज हैं।

भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को बड़ी राहत

छत्तीसगढ़ (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को छत्तीसगढ़ में कथित उत्पाद शुल्क घोटाले के संबंध में जमानत दे दी है। यह राहत प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज दोनों मामलों में दी गई है। कोर्ट से जमानत फाइनल चार्जशीट दाखिल होने के बाद मिली है। हाल ही में ईडी ने शराब घोटाले में फाइनल चार्जशीट दाखिल की थी। चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इस घोटाले में कथित तौर पर राज्य के खजाने को ह2,161 करोड़ से अधिक का चूना लगाया गया था।

सीएम योगी ने की वित्त विभाग की समीक्षा, सभी विभागों को बजट खर्च में तेजी लाने के दिये निर्देश

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह वित्तीय वर्ष 2025–26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभागों के बजट प्राविधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटन, व्यय आदि की अद्धयावधिक प्रगति पर अधिक बजट प्राविधान वाले प्रमुख 20 विभागों का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी प्रमुख विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें ताकि परियोजनाएं और योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक–एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें।

उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है। ऐसे में निर्णय लेने में तेजी दिखाएं। विभाग मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए दिल्ली जाएं और पैरवी करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें। उन्होंने ने वित्त विभाग को निर्देश दिये कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को अभी तक किंहीं कारणों से जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें। उन्होंने सभी प्रमुख 20 विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन विभागों को विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से बजट जारी किया जाता है। इसके लिए विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए पैरवी करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को पत्र लिखें और फोन से फालोअप करें। इसको लेकर मुख्य सचिव भी पहल करें। उन्होंने अपने कार्यालय को निर्देश दिये कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, उनको चिह्नित करें और उनके विभाग के मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी करें। मुख्यमंत्री ने बैठक में वित्त विभाग को निर्देश दिये कि अगले वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट को लेकर अभी से सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांग की समीक्षा करें।

मुकदमेबाजी निजी बदला लेने का जरिया नहीं, दहेज उत्पीड़न मामले में अदालत की सुप्रीम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों में एक अहम टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पति का पत्नी पर आर्थिक या वित्तीय प्रभुत्व अपने आप में क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता। शीर्ष अदालत ने कहा कि आपराधिक मुकदमेबाजी को निजी बदले या हिसाब चुकता करने का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता। यह टिप्पणी अदालत ने एक ऐसे मामले में की, जहां पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया गया था। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पति की अपील स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को पलटते हुए कहा कि लगाए गए आरोप कानूनी कसौटी पर खरे नहीं उतरते। पीठ ने कहा कि पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों में पति का आर्थिक प्रभुत्व जरूर बताया गया है, लेकिन इससे किसी ठोस मानसिक या शारीरिक नुकसान का प्रमाण नहीं मिलता। अदालत ने कहा कि भारतीय समाज में अक्सर घरों में पुरुष वित्तीय मामलों में नियंत्रण रखते हैं, लेकिन केवल इसी आधार पर आपराधिक क्रूरता का मामला नहीं बनता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि खर्च का हिसाब मांगना या पैसों के उपयोग की जानकारी लेना अपने आप में क्रूरता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पति–पत्नी के बीच खर्चों को लेकर विवाद या तकरार विवाह के "दैनिक उतार–चढ़ाव" का हिस्सा हो सकता है।

केरल में जल्द खत्म होगी फिक्स्ड मैच वाली राजनीति : पीए मोदी

बीजेपी की चुनावी रणनीति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए चुने गए मेयर को लिखे पत्र से बड़ा बढ़ावा मिला है

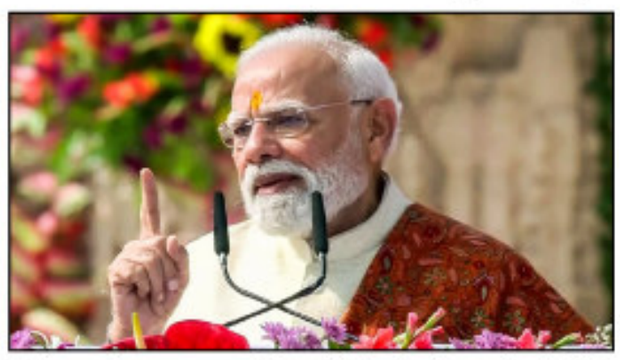

नई दिल्ली (एजेन्सी)। तिरुवनंतपुरम में हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों में मिली जीत को केरल में बड़े चुनावी विस्तार के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर पेश करने की बीजेपी की चुनावी रणनीति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए चुने गए मेयर को लिखे पत्र से बड़ा बढ़ावा मिला है। वीवी राजेश को लिखे पत्र में मोदी ने केरल के विरोधी राजनीतिक मोर्चों –CPI(M) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पर तीखा हमला बोला और उन पर राज्य में फिक्स्ड मैच खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निकाय में बीजेपी की पहली जीत के बाद यह व्यवस्था खत्म होने वाली है। प्रधानमंत्री ने लिखा, "LDF और UDF का फिक्स्ड मैच–दिल्ली में दोस्त और केरल में दुश्मन – अब खत्म होने वाला है। केरल उनके झूठे वादों से आजाद होना चाहता है। CPI(M) के नेतृत्व वाला LDF अभी राज्य में सरकार चला रहा है, जबकि कांग्रेस UDF का नेतृत्व करती है। केरल में राजनीतिक विरोधी होने के बावजूद, ये दोनों राष्ट्रीय स्तर पर INDIA गठबंधन के तहत सहयोगी हैं। प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में बीजेपी के सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरने को युग बदलने वाला बताया और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के बाद राज्य की राजधानी में बीजेपी के सत्ता में आने पर राजेश, डिप्टी मेयर जीएस आशा नाथ और अन्य पार्टी नेताओं को बधाई दी। उन्होंने इसे बहुत गर्व और खुशी का पल बताया और इसे ष्सुनहरे अक्षरों में लिखा गयाष् एक मील का पत्थर बताया। पीएम के अनुसार, तिरुवनंतपुरम में इतिहास रचा गया जब मेयर और डिप्टी मेयर ने शपथ ली, और कहा कि यह फैसला ष्केरल के लोगों, खासकर युवाओं और महिलाओं में, एक नए सवेरे के लिए तैयारी को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस षबिना किसी भेदभाव के राष्ट्रवाद, बिना भ्रष्टाचार के विकास और बिना तुष्टीकरण के शासन पर आधारित एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रहा है। पार्टी की और तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने दशकों से केरल में एक लंबा और मुश्किल सफर तय किया है, जिसे उन्होंने स्वथ और न्वथ दोनों के खराब शासन का नाम दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों मोर्चों ने भ्रष्टाचार और हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, लेकिन कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता दृढ़ रहे, निडर होकर जनता के मुद्दे उठाते रहे और इंडिया फर्स्ट की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। तिरुवनंतपुरम की अपनी यात्राओं को याद करते हुए मोदी ने कहा कि श्री पद्मनाभस्वामी के आशीर्वाद से इस शहर ने नेता, समाज सुधारक, कलाकार और सांस्कृतिक हस्तियां पैदा की हैं।

सीएम नीतीश ने किया अपनी संपत्ति का ऐलान, जिसने सुना उड़ गए हैं होश!

बिहार (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल मंत्रियों की संपत्ति घोषणाएं जारी कीं। सार्वजनिक किए गए विवरण के अनुसार, नीतीश कुमार के पास 20,552 रुपये नकद हैं और उनके तीन बैंक खाते हैं।

उनके पटना सचिवालय स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) खाते में 27,217 रुपये, दिल्ली स्थित एसबीआई संसदीय भवन खाते में 3,358 रुपये और बोरिंग रोड शाखा स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) खाते में 27,191 रुपये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास 11,32,753 रुपये मूल्य की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार और लगभग 2.03 लाख रुपये के आभूषण हैं। उनकी कुल चल संपत्ति का मूल्य 17,66,196 रुपये है। नीतीश कुमार के पास द्वारका स्थित पार्लियामेंट बिहार कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में एक फ्लैट भी है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य 1. 48 करोड़ रुपये है।

पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 68,455 रु. की मामूली वृद्धि दर्शाती है। मुख्यमंत्री के पास 11. 32 लाख रु. की एक कार, 10 गायें और 13 बछड़े हैं। मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों की संपत्ति का ब्योरा बुधवार को राज्य सरकार की येबसाइट पर अपलोड किया गया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का पाकिस्तान को सख्त अल्टीमेटम

पाकिस्तान का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद की निरंतर घटनाओं के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं टिक सकते

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत को आतंकवाद का समर्थन करने वाले पड़ोसियों से अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है और साथ ही वह नई दिल्ली से सहयोग की अपेक्षा रखता है। पाकिस्तान का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद की निरंतर घटनाओं के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं टिक सकते। आईआईटी मद्रास में एक कार्यक्रम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि लेकिन जब आतंकवाद फैलाने वाले बुरे पड़ोसियों की बात आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और वह जो भी आवश्यक होगा वह करेगा। आप हमसे अपना पानी साझा करने का अनुरोध नहीं कर सकते और साथ ही हमारे देश में आतंकवाद भी फैला सकते हैं। ारत की पड़ोसी नीति पर विस्तार से बताते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण समझदारी पर आधारित है, जो सहयोगी पड़ोसियों और शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों के बीच स्पष्ट अंतर करता है। उन्होंने कहा कि बुरे पड़ोसी भी हो सकते हैं। दुर्भाग्य से, हमारे यहां भी हैं। बुरे पड़ोसियों की बात करें, तो पश्चिम में स्थित पड़ोसी को ही देख लीजिए। अगर कोई देश जानबूझकर, लगातार और बिना पछतावे के आतंकवाद को जारी रखने का फैसला करता है, तो हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। हम उस अधिकार का प्रयोग करेंगे। हम उस अधिकार का प्रयोग कैसे करते हैं, यह हम पर निर्भर है। कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। हम अपनी रक्षा के लिए जो भी करना होगा, वह करेंगे। उन्होंने आतंकवाद को क्षेत्रीय सहयोग में विश्वास की कमी से जोड़ा, खासकर जल–बंटवारे जैसे क्षेत्रों में। जयशंकर ने कहा कि कई साल पहले हमने जल बंटवारे की व्यवस्था पर सहमति जताई थी, लेकिन दशकों तक आतंकवाद जारी रहने से अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं रह जाते। अच्छे पड़ोसी संबंध न होने से अच्छे पड़ोसी संबंध का लाभ नहीं मिलता। आप यह नहीं कह सकते, 'कृपया मेरे साथ पानी साझा करें, लेकिन मैं आपके साथ आतंकवाद जारी रखूंगा।' यह बात स्वीकार्य नहीं है। भारत के मित्र पड़ोसी देशों के प्रति दृष्टिकोण से इसकी तुलना करते हुए, जयशंकर ने संकट के समय नई दिल्ली के निरंतर समर्थन पर प्रकाश डाला। मंत्री ने कहा कि अच्छे पड़ोसी देशों के साथ, भारत निवेश करता है, मदद करता है और सहयोग देता है – चाहे वह कोविड के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन और खाद्य सहायता हो, या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई 4 अरब डॉलर की सहायता हो। भारत की वृद्धि इस क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक कारक है, और हमारे अधिकांश पड़ोसी यह मानते हैं कि यदि भारत का विकास होता है, तो उनका भी विकास हमारे साथ होता है।

उमा भारती ने अपनी सरकार को घेरा! कहा- यह सीएम मोहन यादव की परीक्षा की घड़ी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पिछले तीन दिनों में इंदौर में दूषित पानी से 15 लोगों की मौत के बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने मध्य प्रदेश सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि कुर्सी पर बैठे लोग शहर को कम से कम पीने का पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में समय पर कार्रवाई करने में विफल रहे, जबकि वे खुद बिसलेरी की बोतलों का आनंद ले रहे हैं। उमा भारती ने इंदौर त्रासदी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं के लिए कड़ी सजा की मांग करते हुए कहा कि ऐसे पाप को केवल स्पष्टीकरण या माफी से माफ नहीं किया जा सकता! उमा भारती ने एक्स पर लिखा कि साल 2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें हमारा प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गईं। प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहर का अवार्ड प्राप्त करने वाले नगर में इतनी बदसूरती, गंदगी, जहर मिला पानी जो कितनी जिंदगियों को निगल गया और निगलता जा रहा है, मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिंदगी की कीमत दो लाख रुपए नहीं होती क्योंकि उनके परिजन जीवन भर दुख में डूबे रहते हैं। इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा, पीड़ितजनों से माफी मांगनी होगी ।

01 फरवरी को पेश होगा देश का आम बजट? वित्त मंत्री की चल रही है बड़ी तैयारी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जो स्वतंत्रता के बाद का 80वां बजट भी होगा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय बजट 2026 1 फरवरी को पेश होने की उम्मीद है, जो रविवार को पड़ रहा है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। हालांकि संसद के बजट सत्र की तारीखें अभी औपचारिक रूप से घोषित नहीं हुई हैं, फिर भी सरकार द्वारा कार्यक्रम में बदलाव की संभावना कम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जो स्वतंत्रता के बाद का 80वां बजट भी होगा। रिपोर्ट के अनुसार, वार्षिक बजट तैयारियों में तेजी से प्रगति हो रही है और 1 फरवरी को इसे पेश किया जाएगा। परंपरा के अनुसार, केंद्रीय बजट हर साल 1 फरवरी को पेश किया जाता है ताकि वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही संसदीय समीक्षा और कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

सप्ताहांत पर बजट पेश करना कोई नई बात नहीं होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025 का बजट शनिवार को पेश किया था, जबकि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2015 और 2016 के केंद्रीय बजट 28 फरवरी को पेश किए थे, दोनों ही शनिवार को। यदि योजना के अनुसार कार्य चलता है, तो सीतारमण लगातार नौ केंद्रीय बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बनकर इतिहास रचेंगी, जिससे भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले वित्त मंत्रियों में उनका स्थान और मजबूत होगा। इससे यह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड के करीब पहुंच जाएंगी, जिन्होंने दो कार्यकालों में कुल 10 बजट पेश किए थे – 1959 से 1964 के बीच छह और 1967 से 1969 के बीच चार। अन्य हालिया वित्त मंत्रियों में, पी चिदंबरम ने नौ बजट पेश किए थे, जबकि प्रणब मुखर्जी ने अलग–अलग प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में आठ बजट पेश किए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौटने के बाद, 2019 में सीतारमण को भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था। 2024 में मोदी सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के बाद भी उन्होंने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला। संसद के बजट सत्र की तारीखों की आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं हुई है। इससे यह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड के करीब पहुंच जाएंगी, जिन्होंने दो कार्यकालों में कुल 10 बजट पेश किए थे ।

अभय चौटाला का विवादित बयान, बोले भारत में चाहिए नेपाल-बांग्लादेश जैसे विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय राष्ट्रीय लोक दल (आईएनएलडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने एक विवादास्पद टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि भारत में भी श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हाल ही में हुए आंदोलनों की तरह ही आंदोलन होने चाहिए, जिन्होंने इन देशों में सरकारों को गिरा दिया। एक व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में चौटाला ने कहा कि इन देशों में मुख्य रूप से युवाओं के नेतृत्व में हुए जन विरोध प्रदर्शनों को भारत में वर्तमान सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए एक आदर्श के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीलंका में जिस तरह बांग्लादेश के युवाओं ने सरकार को देश छोड़ने पर मजबूर किया, जिस तरह नेपाल के युवाओं ने सरकार को देश छोड़ने पर मजबूर किया, उसी तरह की रणनीति भारत में भी अपनानी होगी ताकि मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाया जा सके। उनके ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल होते ही भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बताया।

संपादकीय

गिग वर्कर्स की हड़ताल

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था।

हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुजुर्गों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी। इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है। यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफएटी के बैनर तले की गई। आईएफएटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक खत में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल-भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है। टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां '10 मिनट डिलीवरी' का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था।

गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मकसद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर-परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार 'गिग वर्कर्स', 'प्लेटफॉर्म वर्कर्स' और 'एग्रीगेटर्स' कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुर्माने आदि से पैसा आएगा।

ये सारे प्रावधान सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन जमीन पर ये कितने उतरे हैं, इसकी हकीकत साल के आखिरी दिन हुई हड़ताल ने जाहिर कर दी। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि वे श्रम का सम्मान करते हैं, लेकिन ये हड़ताल कुछ और ही कहानी बयां करती है। असल में ये मोदी सरकार की नाकामी का एक और सबूत है। सरकार युवाओं को रोजगार के नाम पर पकौड़ा तलने और रील बनाने की सलाह देती है। जो लोग ये नहीं कर पा रहे, वो अब गिग वर्कर बनने पर मजबूर हैं। नीति आयोग की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जिनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। गिग अर्थव्यवस्था में युवाओं (16 से 23 वर्ष आयु वर्ग) की भागीदारी 2019 से 2022 के बीच आठ गुना बढ़ी है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि स्थायी रोजगार न मिलने की वजह से युवा वर्ग डिलीवरी का काम करने पर मजबूर है। उसकी मजबूरी का फायदा कंपनियां उठा रही हैं।

शेख सलाउद्दीन कहते हैं, डिलीवरी करने वाले वर्कर्स की फीस को दिन ब दिन कम किया जा रहा है। प्रति ऑर्डर पहले 80 रुपये फिर 60 रुपये और अब 10 रुपये 20 रुपये, 15 रुपये तक दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनियां हमें धमकी दे रही हैं। वेयरहाउस के पास बाउंसर तैनात किए जा रहे हैं और कर्मचारियों के आईडी ब्लॉक किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या इन कंपनियों को सरकार का बिल्कुल खौफ नहीं है, जो वो डिलीवरी करने वाले कर्मियों के वेतन मनमाने तरीके से कम कर रही है, और उन्हें मजबूर कर रही है कि वो काम करें। क्या श्रम मंत्रालय भी इस इंतजार में था कि गिग वर्कर्स अपनी मांगों को सामने रखने के लिए हड़ताल करें, तब उन्हें सुना जाएगा। इस काम में जुड़े 70-80 लाख लोग अगर अपनी आजीविका और अपनी जिंदगी की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं, तो सरकार को इस बारे में पता क्यों नहीं चला।

ऐसा नहीं है कि पहली बार ये हड़ताल हुई है। पिछले हफ्ते यानी 25 दिसंबर को भी ऐसी ही हड़ताल हुई थी। जिसमें पूरे देश से करीब 40 हजार कर्मचारी शामिल हुए थे, और 31 तारीख की हड़ताल में 1.5 लाख से ज्यादा कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उनकी मांग थी कि एल्गोरिदम से कंट्रोल होने वाली सिस्टम में पारदर्शिता लाई जाए। सही इंसेंटिव दिए जाएं। शिकायत निवारण की अच्छी व्यवस्था हो। हेल्थ इंश्योरेंस, एक्सीडेंट कवर और पेंशन जैसी सोशल सिक्योरिटी मिले। महिलाओं के लिए सुरक्षित कामकाज, मेटरनिटी लीव और इमरजेंसी लीव हो। प्रति किलोमीटर कम से कम 20 रुपये की न्यूनतम दर हो और मनमाने तरीके से आईडी ब्लॉक करना बंद हो। कर्मचारियों ने अपील की है कि, इस मामले "सरकार को तुरंत दखल देना चाहिए। सरकार प्लेटफॉर्म कंपनियों को रेगुलेट करें, मजदूरों के उत्पीड़न को रोकें और सही मजदूरी, सुरक्षा और सोशल प्रोटेक्शन पक्का करें। गिग इकॉनमी मजदूरों के टूटे हुए शरीर और खामोश आवाजों पर नहीं बनाई जा सकती। गिग वर्कर्स ने पूरी स्पष्टता के साथ अपनी मांगें सामने रखीं हैं, अब देखना होगा कि सरकार इस पर कोई कार्रवाई करती है या इस पर लीपापोती करती है।

बांग्लादेश 2026 चुनावों: नतीजों पर निर्भर क्षेत्रीय सुरक्षा

आशीष विश्वास

घरेलू राजनीति में भी, भारत अपनी संघर्षरत अर्थव्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी और अमीर-गरीब के बीच चिंताजनक खाई जैसी गंभीर समस्याओं के बावजूद, सामाजिक विकास के मामले में पाकिस्तान या बांग्लादेश दोनों से बेहतर स्थिति में दिखता है। दिल्ली के विपरीत, इस्लामाबाद आने वाले सालों में बीजिंग और वाशिंगटन पर निर्भर रहेगा।

दक्षिण एशियाई संदर्भ में, बांग्लादेश में हिंसक सत्ता परिवर्तन, भारत और पाकिस्तान के बीच एक संक्षिप्त टकराव और पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच छिटपुट झड़पों के बाद, चारों देशों के बीच राजनयिक बातचीत में एक उल्लेखनीय कड़वाहट आई है। क्षेत्र में धीरे-धीरे एक नया राजनीतिक गठबंधन उभर रहा है, जिसकी रूपरेखा बांग्लादेश के आम चुनावों के बाद और स्पष्ट होगी।

यह देखना बाकी है कि 2026 में बांग्लादेश में एक नई, चुनी हुई सरकार द्वारा सत्ता संभालने से दक्षिण एशिया में स्थायी राजनीतिक स्थिरता और लोकतांत्रिक ताकतों का एकीकरण होगा या नहीं। बहुत कुछ उभरते हुए पाक-अफगान संघर्ष के समाधान और पाकिस्तान के भीतर बलूच स्वतंत्रता संघर्ष पर निर्भर करेगा।

चूंकि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान-मध्य एशिया क्षेत्र लंबे समय से ऐतिहासिक संघर्ष और कई युद्धरत जनजातियों और प्रमुख विदेशी शक्तियों से जुड़े सत्ता संघर्षों का गवाह रहा है, इसलिए भविष्य की शांति या स्थिरता के बारे में किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने में जल्दबाजी करना उचित नहीं हो सकता है।

जहां तक भारत का सवाल है, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया विवाद एक अधूरा मामला बना हुआ है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, भारत और बांग्लादेश के बीच मानवाधिकारों के उल्लंघन के अपने-अपने खराब रिकॉर्ड के बारे में बयानों का मौजूदा कड़वा आदान-प्रदान जारी रहने की उम्मीद की जा सकती है। द्विपक्षीय भारत-बांग्ला संबंधों को प्रभावित करने वाले तनावों की अधिक जिम्मेदारी बांग्लादेश की है। इसके नए गैर-निर्वाचित शासक वर्ग ने, जो स्पष्ट रूप से एक अंतरिम प्राधिकरण के रूप में अपनी सीमाओं से अनजान है, यहां तक कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के अलगाव को बढ़ावा देने के लिए चीन में एक भड़काऊ अभियान भी शुरू किया।

चूंकि इस मामले पर चीन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, और न ही भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों ने खुद कोई दिलचस्पी दिखाई, इसलिए बांग्लादेश के अपेक्षाकृत मोटी चमड़ी वाले अस्थायी नेता भी चुप हो गए हैं।

यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार की चीन को भारत के खिलाफ इस्तेमाल करने की घोर राजनयिक विफलता के कारण बांग्लादेश के भीतर ही स्थापित राजनीतिक दलों से उपहासपूर्ण टिप्पणियां हुईं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेताओं ने एक प्रेस बयान में डॉ. यूनुस को याद दिलाया कि कुछ अलिखित परंपराएं और दिशानिर्देश हैं जिनका किसी भी सरकार-से-सरकार बातचीत में किसी भी पक्ष द्वारा उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि इस सार्वजनिक फटकार से डॉ. यूनुस के काम करने के तरीके में कोई खास फर्क पड़ा हो। जैसे ही नया साल शुरू हो रहा है, इस क्षेत्र के बड़े देश खुद को एक गंभीर राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित पाते हैं, जो मौजूदा क्षेत्रीय नेताओं में सामूहिक समझदारी की कमी के कारण, भविष्य की पीढ़ियों को शांति और व्यवस्था की तलाश में सालों तक उलझाए रख सकती है।

भारत, जो खुद को अपने पूर्व और पश्चिम में तीन दुश्मन पड़ोसियों से निपटने के लिए संघर्ष करता हुआ पा रहा है। चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध पहले की तरह ही तनावपूर्ण बने हुए हैं। अब बांग्लादेश भी उनके साथ शामिल होने को उत्सुक दिख रहा है। बहुत कम पर्यवेक्षक बांग्लादेश द्वारा घोषित विदेश संबंधों पर आधिकारिक रुख को मानते हैं कि यह दक्षिण एशिया और उससे आगे अपने राजनयिक पहुंच का विस्तार करने की कोशिश करेगा, विदेश नीति के मामलों में अपनी पिछली भारत-केंद्रित नीति को उलट देगा। भारत के लिए बहुत अधिक सकारात्मक तत्व नहीं हैं जिनकी वह उम्मीद कर सकता है, सिवाय चीन के साथ तनाव में थोड़ी ढील की संभावना के, जो ब्रिक्स फोरम में उनकी सदस्यता के कारण है। साथ ही, अगर आम चुनावों में जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी सत्ता हासिल करने में विफल रहते हैं, तो मध्यम अवधि में भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में कुछ सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, भारत ने अपने 'निकट पश्चिम' पड़ोस में कूटनीति और प्रभाव के मामले में कुछ फायदे सुनिश्चित किए होंगे। अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान सरकार के साथ अच्छे संबंध स्थापित करके, भारत ने बांग्लादेश के साथ अपनी नई दोस्ती से पाकिस्तान को मिलने वाले अधिकांश फायदों को प्रभावी ढंग से बेअसर कर दिया है।

घरेलू राजनीति में भी, भारत अपनी संघर्षरत अर्थव्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी और अमीर-गरीब के बीच चिंताजनक खाई जैसी गंभीर समस्याओं के बावजूद, सामाजिक विकास के मामले में पाकिस्तान या बांग्लादेश दोनों से बेहतर स्थिति में दिखता है। दिल्ली के विपरीत, इस्लामाबाद आने वाले सालों में बीजिंग और वाशिंगटन पर निर्भर रहेगा। इसकी अर्थव्यवस्था बद से बदतर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आतंक प्रायोजक के रूप में इसकी छवि पहले की तरह ही नकारात्मक बनी हुई है। यह इसकी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी बाधा है।

जहां तक बांग्लादेश की बात है, डॉ. यूनुस ने विभिन्न पश्चिमी वित्तीय बैंकों और संस्थानों से कुछ राहत हासिल करके वित्तीय रूप से कुछ राहत पाई है। लेकिन ढाका को बढ़ती दोहरे अंकों वाली महंगाई को नियंत्रित करना बेहद मुश्किल लग रहा है, जो पहले से ही इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा है। औसत बांग्लादेशी नागरिकों के लिए, बुनियादी चिकित्सा खर्च और बुजुर्गों के लिए जरूरी इलाज की लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। युवा पीढ़ी पर इसका बुरा असर पड़ा है क्योंकि छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाएं जो दिल्ली ने बांग्लादेशियों को भारत के जाने-माने संस्थानों में रहने के लिए दी थीं, वे अब पहले जैसी उपलब्ध नहीं होंगी। कोलकाता के अर्थशास्त्री शौनाक मुखर्जी के अनुसार, 'किसी भी आसान कॉस्ट-बेनिफिट एनालिसिस से पता चलता है कि भारत द्वारा पहले दी गई सुविधाओं को वापस लेने से बांग्लादेश को बहुत ज्यादा नुकसान होगा।'

यहां तक कि रणनीतिक तौर पर भी, बांग्लादेश को अब दो ऐसे पड़ोसी देशों से निपटना होगा जो दुश्मन न सही, लेकिन दोस्त भी नहीं हैं। वे हैं म्यांमार और भारत, जो इसे उत्तर, पश्चिम और दक्षिण दिशा से घेरे हुए हैं। पहले उसे सिर्फ म्यांमार से निपटना पड़ता था।

जैसा कि पहले बताया गया है, फरवरी 2026 के चुनावों का नतीजा कई वजहों से पूरे दक्षिण एशिया के लिए महत्वपूर्ण होगा। अभी के लिए, बीएनपीके नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत भारत के हितों के लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अब अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अगर, डॉ. यूनुस के राजनीतिक रूप से पर्दे के पीछे से काम करने के साथ जमात समर्थक सरकार चुनी जाती है, तो भारत को अपने पूर्वी हिस्से में मुश्किल समय का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

नए साल का संदेश : हौसला नहीं छोड़ना!

शकील अख़्तर

नया साल उत्साह भरता है। पर देखे नए साल का भी ....कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे। अब कविता बना रहे है कि ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर इनका एक कवि नहीं जिसका नाम हो और उस नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए। ... तभी दिनकर के नाम की मिलावटी तुकबंदी है।

नया साल नए साल जैसा ही होना चाहिए। उम्मीदों का और हौसलों का। 2025 गया। ऐसे ही कुछ और साल भी देश और समाज को पीछे जाते देखते हुए गुजर गए।!

शुरु में, 2014 में इतने बुरे की आशंका किसी को नहीं थी। भाजपा आरएसएस के विचार सबको मालूम थे मगर सिर्फ चुनाव जीतना ही सब कुछ होगा बाकी देश की कोई चिन्ता नहीं होगी यह तो तब शायद ही कोई सोच पाया था।

मगर इसके बावजूद अगर हम वापसी की बात कर रहे हैं तो कोई बहुत अनोखी बात नहीं है। मानव स्वभाव ही बेहतरी की भावना से संचालित होता है। अगर ऐसा नहीं होता तो अंग्रेजों की गुलामी के दौर में देश में आजादी की भावना बलवती नहीं होती।

110 साल पहले विदेश से गांधी जब वापस भारत आए तब देश की क्या हालत थी? सोया हुआ था। निराश। नियति को स्वीकार कर चुका था। 1857 के बाद हुए अंग्रेजों के दमन के जख्म भरे नहीं थे। आजादी की वह पहली लड़ाई लड़ने वालों की पीढ़ी में से कई लोग जिन्दा थे। दिल्ली जहां सबसे ज्यादा दमन हुआ था वहां से लोगों को पलायन करना पड़ा था वह देश के दूसरो हिस्सों में जाकर उस समय अंग्रेजों द्वारा ढाए गए जुल्मों की कहानियां सुनाते थे। उस सबकी दहशत लोगों में बैठी थी। तब 1915 में इसी जनवरी महीने में गांधी दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत लौटे थे। और फिर आगे की कहानी सब को मालूम है कि निराश हताश और भय में जी रहे लोगों को गांधी ने कैसे जगाया। तो उम्मीद लोगों का स्वभाव है। डर से निकलना भी चाहता है। डर में दुबक के बैठे रहना सुरक्षा का अहसास देता है। मगर वह वास्तविक सुरक्षा नहीं होती। डर का घेरा और तंग होता जाता है और व्यक्ति और सिमटता जाता है।

नया साल उत्साह भरता है। आप देख रहे होंगे कि नए साल का विरोध भी इसीलिए और तेज होता जा रहा है। कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे।

वह कविता, सस्ती कविता भी बना दी है। ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर अपना कोई कवि ही ऐसा है नहीं जिसका नाम हो जिसके नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए तो इसे दिनकर के नाम से प्रचारित करते हैं। पूरा नाम लिखकर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर। हद तो यह है कि एआई (आर्टिफिशियल इन्टिलिजेन्स) भी इस सतही कविता को दिनकर के नाम से ही बता रहा है।

अब भाजपा आरएसएस का प्रचार तंत्र यह तो नहीं बताएगा कि दिनकर की असली कविता तो यह है – "गांधी का पी रुधिर जवाहर पर फुंफकार रहे हैं!"

देखिए कितनी दूर तक देखा था दिनकर ने। 1962 में लिखा था। 60 साल से ज्यादा हो गए अभी भी जवाहर ही मुख्य निशाने पर है। जवाहरलाल नेहरू। कितने सही शब्द का इस्तेमाल किया था फुंफकार रहे हैं। फुंफकारना क्या होता है? बिना कारण लगातार जहर फैंकना।

तो दिनकर की असली कविता यह है। मगर उनके नाम को यूज करना है। उसके जरिए अपने प्रतिक्रियावादी सिर्फ विरोध करने वाले विचारों को स्थापित करना है तो नए साल का विरोध उनके नाम से किया जा रहा है।

नया साल मतलब साल की शुरुआत। यानि उम्मीदों की भी। और उम्मीद तोड़ना ही यथास्थितिवाद फैलाना ही इनका मूल उद्देश्य है।

तो अगर आगे बढ़ना है वापस दुनिया में भारत का नाम बनाना है तो हिम्मत और हौसले को बनाए रखना होगा।

बीते साल की नाकामयाबियों पर लिखने को बहुत कुछ है। क्या क्या लिखें? अन्तरराष्ट्रीय श्तर पर देश की छवि खराब हुई है। अभी जाते हुए साल में न्यूयार्क टाइम्स ने पेज वन पर आरएसएस का कच्चा चिट्ठा खोल दिया है।

यहां आरएसएस कहती है हमें इस नजरिए से मत देखो उस नजरिए से मत देखो, आप हमें जानते नहीं हो उधर न्यूयार्क टाइम्स ने लाठियां लिए आरएसएस के स्वयंसेवकों की बड़ी सी तस्वीर और प्रधानमंत्र मोदी का फोटो छापकर लिख दिया कि आरएसएस भारत को लोकतंत्र के उजाले से दूर करके अंधेरे की तरफ ले जा रहा है।

भारत की संवैधानिक संस्थाएं जो भारत की मजबूती का आधार था उन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। सर्वधर्म समभाव या भारत की जो धर्मनिरपेक्ष छवि थी उसे गहरा आघात लगा है। इससे पहले बीबीसी आरएसएस पर डाक्यूमेंट्री बना चुका है। जिसे भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया और बीबीसी के दफ्तरों पर छापे मारे गए। अन्तरराष्ट्रीय श्तर पर एक तरफ यह हाल है दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारतीयों को हथकड़ी बेड़ी पहनाकर भारत भेजने के साथ मुहावरे में नहीं वास्तव में पचास बार से ज्यादा यह कह चुके हैं कि व्यापार की धमकी देकर मैंने भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया। और इतना ही नहीं 8 लड़ाकू विमान गिरे वाली बात वे इस तरह कहते हैं जैसे भारत के गिरे हों। पाकिस्तान की तारीफ करते हैं। वहां के आर्मी चीफ मुनीर जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के जिम्मेदार है उन्हें लंच पर बुलाते है।

मतलब गुजरे साल मई में हुए आपरेशन सिंदूर के बाद से अब तक उन्होंने कोई मौका नहीं छोड़ा जब भारत का अपमान नहीं किया हो। मगर आश्चर्य है कि एक बार भी हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने उनका प्रतिकार नहीं किया। क्या डर है? भारत इतना डरा हुआ तो कभी नहीं था। एक प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी भी थीं जो आंख में आंख डालकर अमेरिका के राष्ट्रपति से बात करती थीं। सैनिक शक्ति का रौब दिखाने पर कहती थीं कि सातवां बेड़ा नहीं आठवां भी भेज दो। भारत नहीं डरेगा।

यह तो हुई अन्तरराष्ट्रीय श्तर की बात जहां भारत कमजोर हुआ है और उसकी छवि खराब।

और इधर देश में क्या हुआ? साढ़े 11 साल की नफरत और विभाजन की आग अब सब जगह पहुंच गई है। दलित, पिछड़े, आदिवासी, मुस्लिम, महिला तो छोड़ दीजिए जिनसे यह कहते थे कि हम तुम्हारे लिए ही काम कर रहे हैं उन ब्राह्मण और राजपूतों के बीच भी नफरत और वैमनस्य पैदा कर दिया। यूपी में भाजपा के ब्राह्मण विधायकों को बैठक करने पर पार्टी की तरफ से चेतवानी दी जा रही है। जबकि इससे पहले राजपूत विधायक बैठक कर चुके थे।

मतलब इनके नफरत के जहर से कोई नहीं बचा है। महिला के बारे में हाल यह है कि उसकी सुरक्षा तो छोड़ दीजिए आज ऐसी स्थिति ले आए हैं कि लोग बलात्कार का समर्थन करने लगे। निर्भया के समय कोई सोच सकता था? उसी समय उठा कर अंदर कर दिया जाता।

देश की अंदरुनी हालत पर लिखने के इतने पाइंट हैं कि अख़बार में यह थोड़ी सी जगह नहीं पूरा पेज ही मांगना पड़ेगा। ऐसा कभी नहीं हुआ जो खुले आम तलवारें बांटी जा रही हैं। नार्थ ईस्ट का लड़का उत्तराखंड में यह कहते कहते मर जाता है कि वह भारतीय हैं। लींचिंग (पीट पीट कर मार डालना) पहले कभी सुनी भी नहीं गई थी। और अब हालत यह है कि लींचिग होती है और उसके बाद सरकार कोर्ट में जाकर कहती है कि जो आरोपी हैं वह उनके खिलाफ केस वापस लेना चाहती है।

वह तो शुक्र करो की अदालत ने जो पहली लींचिग 2015 में अखलाक की हुई थी उस मामले में केस वापस लेने के यूपी सरकार की अपील को रिजेक्ट कर दिया नहीं तो इसमें और तेजी आती। और याद रखिए कि लींचिंग के शिकार केवल मुस्लिम ही नहीं हैं।

अभी यह नार्थ ईस्ट का युवा एंजेल चकमा मारा गया। उससे पहले 12वीं कक्षा का छात्र आर्यन मिश्रा मारा गया। और लड़के की हत्या के बाद उसके पिता सियानंद मिश्रा पर इतना दबाव डाला गया कि वे हरियाणा छोड़कर जाने की बात करने लगे। पूरी कानून व्यवस्था इन्होंने अपने हाथों में ले ली है। सरकार में हिम्मत नहीं है कि इनके खिलाफ बोल सके।

बरेली में एक छात्रा की बर्थडे पार्टी में घुसकर मारपीट करने वाला रिषभ ठाकुर पुलिस को चैलेंज कर रहा है कि हमसे पंगा मत लेना पता भी नहीं चलेगा कि कहां गए! यूपी में ही इंसपेक्टर सुबोध सिंह को गौ रक्षकों ने मार डाला था। यह हालत है। मगर क्या इसको स्वीकार कर लें? नहीं। नए साल से उम्मीदें बरकरार हैं। पुराने प्रेम-सद्भाव भाईचारे के दिनों की वापसी की।

भालू जाग गए हैं, जनता सोई पड़ी है

सर्वमित्रा सुरजन

कितनी अजीब बात है कि देश में भालू जाग गए और जनता सोई पड़ी है। जनता को इस बात से कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है तो वह जागे। हर वक्त, हर किसी के साथ सब कुछ सही नहीं होता।

देश में पहले भी गलत होने पर जनता ने आवाज उठाई है। गुलामी के दौर से आजादी के मिलने के कई साल बाद तक देश में आंदोलन होते रहे। इन आंदोलनों में जनता का व्यापक हित गूंजता था। इसमें दलगत राजनीति भी हावी होती थी, फिर भी चेतना का एक माहौल नजर आता था।

उत्तराखंड से एक चौंकाने वाली खबर आई है। शीतकाल में कम से कम चार महीने गुफा में जाकर शीतनिद्रा (हाइबरनेशन) में जाने वाले भालू अब सो नहीं रहे हैं। मौसम के बदलने से और मनुष्य की बनाई गलत व्यवस्थाओं से उनके व्यवहार में बदलाव देखा जा रहा है। गौरतलब है कि हाइबरनेशन जानवरों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों (जैसे अत्यधिक ठंड या भोजन की कमी) में ऊर्जा बचाने के लिए अपनाई जाने वाली एक गहरी निष्क्रियता की अवस्था है, जिसमें उनके शरीर का तापमान, हृदय गति और श्वसन दर नाटकीय रूप से धीमी हो जाती है, जिससे वे महीनों तक जीवित रह सकते हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि भालू पूरी सर्दी अपनी गुफा में ही व्यतीत करते हैं। लेकिन, इस बार वह शीत निद्रा में जाने की जगह आबादी वाले क्षेत्रों में रुख कर रहे हैं।

इसका सीधा मतलब है कि उनकी नींद में गंभीर खलल पड़ रहा है। अब भालू आबादी वाले क्षेत्रों की तरफ बढ़ रहे हैं, तो इंसानों पर अपना गुस्सा भी निकाल रहे हैं। भालू पढ़े-लिखे नहीं हैं। नैतिक-अनैतिक की परिभाषाएं नहीं जानते।

लेकिन वो इतना जानते हैं कि जब उनके साथ गलत हो तो उन्हें सोना नहीं है। अपनी गुफाओं से बाहर निकलना है और गलत करने वालों को उनकी भूल का अहसास कराना है। और फिर भी सामने वाला अपनी गलती न माने तो पंजों और दांतों का जो पैनापन प्रकृति ने उन्हें दिया है, उसका इस्तेमाल करना है, गलती करने वाले को अपनी आक्रामकता दिखानी है। जानवर है, लिहाजा हिंसा उसकी प्रकृति में है।

इंसान को हिंसक नहीं होना चाहिए, लेकिन इतना कायर, संवेदनहीन, लाचार या निस्पंद भी नहीं होना चाहिए कि अपने साथ और अपने आस-पास वालों के साथ जो हो रहा है, उससे कोई फर्क ही नहीं पड़े।

कितनी अजीब बात है कि देश में भालू जाग गए और जनता सोई पड़ी है। जनता को इस बात से कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है तो वह जागे। हर वक्त, हर किसी के साथ सब कुछ सही नहीं होता। देश में पहले भी गलत होने पर जनता ने आवाज उठाई है। गुलामी के दौर से आजादी के मिलने के कई साल बाद तक देश में आंदोलन होते रहे। इन आंदोलनों में जनता का व्यापक हित गूंजता था।

इसमें दलगत राजनीति भी हावी होती थी, फिर भी चेतना का एक माहौल नजर आता था। लेकिन 2011 से आंदोलनों का चरित्र भी बदल गया। अन्ना आंदोलन ने देश को जगाने के नाम पर ऐसा सुलाने का काम किया कि अब बुरे से बुरे हालात में भी दो-चार आवाजें सामने आती हैं। बाकी सब ऐसे मुंह में दही जमाकर बैठते हैं कि हमें क्या, हमारा तो कुछ नहीं बिगड़ रहा।

शाहीन बाग आंदोलन और किसान आंदोलन देश में नहीं होते तो ऐसा लगता कि पूरा देश ही हाइबरनेशन में चला गया है। पता नहीं कौन से अच्छे दिनों की आस में हम अपनी ऊर्जा बचाने के लिए गहरी निष्क्रियता दिखा रहे हैं। इस साल के ही कुछ उदाहरण देख लें। अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमला हुआ और बड़ी बेदर्दी से पर्यटकों को मार दिया गया। इसके बाद सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरु किया, जिसमें सेना की काबिलियत से सफलता भी मिली। लेकिन इसे एकदम से रोक दिया गया क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि लड़ाई रोको वर्ना मैं व्यापार रोक दूंगा। ये बात एक नहीं पचास से ज्यादा बाद ट्रंप दोहरा चुके हैं। नरेन्द्र मोदी एक बार भी इसका प्रतिवाद नहीं कर पाए।

जनता को भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ा कि दूसरे देश का राष्ट्रपति हमें निर्देश दे रहा

है। ये हमारी संप्रभुता का अपमान था और हमने इसे बर्दाश्त किया, क्योंकि हम सो रहे हैं। अमेरिका के बाद अब चीन भी दावा कर रहा है कि उसने युद्धविराम करवाया। कायदे से मोदी सरकार को एक वैश्विक टेंडर निकाल देना चाहिए कि आओ भाई और किस-किस को युद्धविराम का श्रेय लेना है, हम सबको बराबरी का मौका देंगे। ये शुभकार्य अडानी या अंबानी किसी के जरिए हो तो कहने ही क्या।

खैर, विदेश नीति आम लोगों को जटिल लगती हो तो धर्म की बात कर लें। इस साल की शुरुआत में ही प्रयागराज के कुंभ में भगदड़ हुई और कितनी जानें गई, इसकी कोई गिनती ही नहीं है, क्योंकि मानवीय गरिमा के नाते लाशों के साथ जो सम्मानजनक व्यवहार किया जाता है, वो भी यहां नदारद रहा। लाशों की गिनती कम करने के लिए आंकड़ों पर लीपापोती की गई, इससे मुआवजा हड़पने की सुविधा भी हुई। ऐसा ही हाल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ पर भी रहा। इंसानी जिंदगी कीड़े-मकोड़ों की तरह कुचल कर खत्म हो गई, इतनी त्रासदी काफी नहीं थी जो उसके बाद सरकार के बढ़ाए एक बाबा ने कहा कि इससे उन्हें मोक्ष मिला होगा। क्या ऐसी बातें सुनकर भी सोया जा सकता है। लेकिन विडंबना देखिए समाज में गहरी निद्रा पसरी है। एक कुंभ की बात अगले कुंभ तक याद भी नहीं रखी जाती।

इसी नींद का फायदा उठाते हुए अब धर्म के नाम पर आत्मघाती बनने की सलाह दी जा रही है। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर प्रताड़ना की खबरों के बाद गाजियाबाद में कुछ लोग बाकायदा घातक हथियार लोगों को घरों में जाकर बांट रहे थे ताकि हिंदू अपनी रक्षा कर सके, इसका वीडियो भी सामने आया। खुद को महामंडलेश्वर कहने वाले यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा है कि तलवारें बांटने से कुछ नहीं होने वाला।

अब तो हिंदुओं को आत्मघाती दस्ते बनाने चाहिए। हिंदुओं को बजरंगदल-फजरंगदल जैसे संगठन छोड़कर आईएस जैसा संगठन बनाना चाहिए। मोदीजी खुश हो सकते हैं कि हिंदुओं को उन्होंने आखिरकार जगा ही दिया। हालांकि उन्हें खुद पर शर्म भी आनी चाहिए कि उनके रहते लोग अपनी रक्षा के लिए खुद हथियार उठाने की बात कर रहे हैं। यानी लोगों को मोदी सरकार पर जरा भी भरोसा नहीं है। जिस पर भरोसा न हो उसे अगली बार सत्ता से हटाने के लिए लोगों का जागना जरूरी है। लेकिन अभी कानून और न्याय व्यवस्था का जागना जरूरी है।

दिल्ली दंगों के आरोप में लगभग छह सालों से कैद उमर खालिद को आज तक जमानत नहीं मिली। दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद पर दंगों की साजिश रचने और इसके लिए हथियार का इंतजाम करने जैसे गंभीर आरोप लगाए, हालांकि अब तक इसके लिए न सबूत दिए न उन्हें दोषी ठहराया जा सका है। फिर भी उमर जेल में हैं और लोगों को खुलेआम हथियार बांटने और आत्मघाती दस्ता बनाने के लिए उकसाने वाले लोग दादागिरी दिखा रहे हैं।

वैसे हिंदुओं को आत्मघाती बनने की जरूरत नहीं है, पहले से अंधभक्ति में काफी आत्मघात किया जा चुका है। सरकार की पूंजीपरस्त नीतियों के कारण जिन नौजवानों के हाथों से रोजगार छिन गए, जिन व्यापारियों के कारोबार चौपट हो गए वो मुसलमान, ईसाई से ज्यादा हिंदू हैं। महिलाओं के लिए देश बेहद असुरक्षित हो चुका है।

छेड़खानी और बलात्कार का शिकार होने वाली लड़कियों का दर्द जाति और धर्म की चौहद्दियों में कैद कर नहीं देखा जा सकता। अंकिता भंडारी भी हिंदू थी और महिला पहलवान या उन्नाव पीड़िता भी हिंदू ही हैं। अंकिता भंडारी के आरोपियों में से एक भाजपा नेता का जन्मदिन अभी मनाया गया तो इसके विरोध में उत्तराखंड की पौड़ी से जिला पंचायत सदस्य किरन शर्मा नौगाई ने भाजपा से इस्तीफा दिया। किरण शर्मा ने लिखा कि अंकिता भंडारी प्रकरण में एक वीआईपी का नाम आ रहा है और मेरी ही पार्टी के लोग मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं, वीआईपी को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। यह सब देख कर मुझे शर्म आ रही है कि मैं किस दल से जुड़ी हूं। मेरी भी बेटी है और अंकिता भी मेरी बेटी थी, इसलिए आज अंकिता के इंसाफ के लिए मैं भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देती हूं। और मैं खुलकर उस बेटी की लड़ाई लड़ूंगी। अंकिता हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं।

बेटी के कातिलों के लिए गुस्से का इजहार करती एक महिला की नींद टूटी है, यह उम्मीद की किरण के समान है। लेकिन उम्मीदों को पंख तभी लगेंगे जब समाज में बड़े पैमाने पर नींद टूटने का सिलसिला चले।

अभी बहुत सी चीजों का हिसाब-किताब बाकी है। अरावली जैसे कितनी प्राकृतिक धरोहरों का सौदा हुआ है, बैंकों से कितना धन लूट कर बाहर भेजा जा रहा है, एसआईआर के दुष्चक्र में कैसे लोकतंत्र को फंसा दिया गया है, संवैधानिक संस्थाओं की साख दांव पर क्यों लगाई गई है, मीडिया को गुलाम और पत्रकारों को कठपुतली बनाकर नचाने का खेल कौन खिला रहा है। ऐसे कई सवालों के जवाब जनता को मांगने चाहिए। संविधान की व्यवस्था में खलल डाला गया है, तो क्या जनता की नींद नहीं टूटनी चाहिए। क्या हमसे बेहतर और समझदार भालू हैं, जो प्राकृतिक विधान के भंग होते ही जाग गए हैं।

नगर निगम समाधान दिवस में समस्याओं का लगा अंबार वाटर टैक्स के 2 बिल दिए-41 लाख का जुर्माना लगाया

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें टैक्स असेसमेंट को लेकर परेशान लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। टिकैत राय गंज चौराहे से आई शालिनी ने बताया कि उनका हाउस टैक्स 432 रुपए से बढ़ाकर 1 लाख 60 हजार कर दिया गया। बुजुर्ग पार्वती ने बताया– 27 हजार से ज्यादा हाउस टैक्स आया है। साल के पहले समाधान दिवस पर लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए नगर आयुक्त गौरव कुमार और मेयर सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रहीं। इस दौरान कई लोग ऐसे भी रहे, जिनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते वो निराश दिखे। लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल ने लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा–हमारा प्रयास है कि नागरिकों की समस्याओं का निस्तारण पारदर्शी, न्यायसंगत और

समयबद्ध ढंग से किया जाए। गृहकर एवं जलकर से संबंधित आपत्तियों का समाधान कर आम नागरिकों को राहत देना हमारी प्राथमिकता है। मोहम्मद अजीम ने बताया वह अपने ससुराल से जुड़ा मामला लेकर आए हैं। बाबू बनारसी दास वार्ड में उनकी ससुराल है। वहां हाउस टैक्स 14 हजार के करीब आया था। जो बेहद ज्यादा था, यहां आने के बाद जब कागज दिखाए तब इसे काफी कम कर दिया गया। अब 3 हजार की करीब हो गया है। कुल मिलाकर समस्या का समाधान मिल गया। टिकैत राय गंज चौराहे से आई शालिनी ने बताया पहले मेरे यहां हाउस टैक्स 432 रुपए आता था। असेसमेंट करके 1 लाख 60 हजार कर दिया है। यहां आने के बाद साढ़े 6 हजार जमा किया है। जानकीपुरम द्वितीय से पहुंचे दिनेश चंद्र तिवारी ने बताया उनका गेस्ट हाउस है। उस पर अवैध तरीके से 41 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया गया। कम से कम 20 बार समाधान शिविर में आ चुके हैं, अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। बुजुर्ग महिला पार्वती ने बताया मेहंदी गंज में रहते है। मेरे ससुर के नाम मकान है। 27 हजार से ज्यादा हाउस टैक्स आया है। घर में अकेला सिर्फ एक लड़का है, वो भी बीमार रहता है। कैसे इतना ज्यादा टैक्स भर पाएंगे। इसलिए यहां आई थी। कल्याणपुर के अजीत कुमार यादव ने बताया एक घर पर जल संस्थान की ओर से डबल आईडी जारी कर दी गईं। मां किरण और पिता रामधन के नाम पर पर दो–दो वाटर टैक्स आ रहे हैं। जबकि, पिताजी की मौत हो गई है। 23,751 रुपए का पानी का बिल पिताजी के नाम पर भी भेज दिया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान नगर निगम के विभिन्न जोनों से गृहकर एवं जलकर से संबंधित कुल 76 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें गृहकर से संबंधित 60, जलकल से संबंधित 16 आपत्तियां शामिल थीं। जोन–1 से 25, जोन–2 से 5, जोन–3 से 5, जोन–4 से 1, जोन–5 से कोई आपत्ति नहीं, जोन–6 से 11, जोन–7 से 11 तथा जोन–8 से 2 आपत्तियां प्राप्त हुईं। जीआईएस सर्वेक्षण के उपरांत कर निर्धारण से संबंधित शिकायतों पर मौके पर ही सुनवाई की गई। शिकायतकर्ता अनिल कुमार गोबिल, जानकीपुरम सेक्टर–एफ का जीआईएस के अनुसार वार्षिक मूल्य 44,280 रुपए निर्धारित किया गया था, जिसे निस्तारण के पश्चात घटाकर 21,262 रुपए कर दिया गया। इसी प्रकार हुसैनाबाद निवासी गजन्फर नवाब के मामले में वार्षिक मूल्य 14,625 रुपए से घटाकर 11,025 रुपए निर्धारित किया गया। समाधान दिवस के दौरान नागरिकों की अन्य समस्याओं–जैसे सफाई व्यवस्था, सड़कों एवं गलियों की मरम्मत, सीवर लाइन एवं ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट, कूड़ा उठान से संबंधित शिकायतों पर भी अधिकारियों द्वारा संज्ञान लिया गया। शिविर में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, जोनल अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी, पार्षद एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

छत से गिरकर युवक की मौत,घटना से पहले बच्चों को लगाया था गले

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में छत से गिरने से एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में छत पर

गया था, जहां पैर फिसलने से वह नीचे सड़क पर गिर पड़ा। उसके सिर में गंभीर चोट आई। अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना हसनगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुई। मृतक की पहचान हसनगंज मछली मंडी के रहने वाले रवि गौतम (42) के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, गुरुवार रात रवि शराब के नशे में घर आए थे। घर पहुंचने के बाद उन्होंने बच्चों को गले लगाया और बेटी के पैर छुए। इसके बाद वे छत पर चले गए। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे छत से नीचे सड़क पर गिर गए। रात का समय होने के कारण तुरंत किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी। कुछ देर बाद आसपास के लोगों ने उन्हें सड़क पर पड़ा देखा और बलरामपुर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। रवि गौतम के परिवार में पत्नी सुमन गौतम, बेटियां नंदनी गौतम, आराधना गौतम और बेटा रोशन गौतम हैं। रवि शादी–ब्याह और अन्य आयोजनों में मजदूरी का काम करते थे। बीते कई दिनों से उन्हें काम नहीं मिल रहा था, जिससे परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। इसी वजह से उनकी पत्नी सुमन गौतम दिल्ली में मेड का काम करने चली गई थीं। देर रात उन्हें रवि की मौत की सूचना दी गई, जिसके बाद वह शुक्रवार सुबह लखनऊ पहुंचीं। पुलिस का कहना है कि मृतक शराब के नशे में छत से गिरा था। परिवार की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

तनीषा का बैडमिंटन के प्रति जुनून ही उसे औरों से बनाता है अलग : देवेन्द्र कौशल

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ की तनीषा सिंह भारतीय बैडमिंटन का अब जाना–पहचाना नाम बन चुका है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह यूपी और भारत का परचम लगातार फहरा रही हैं। साल 2025 की अंतिम निशा जब अलविदा कह रही थी तब तनीषा लंबे समय तक अपने कोच रहे श्री देवेन्द्र कौशल से आशीर्वाद लेने और शुक्रिया कहने परिवार समेत एक्सीलिया बैडमिंटन एकेडमी में आयीं। इन दौरान तनीषा ने प्रशिक्षुओं से बात की, अपने संघर्ष और शुरुआती दिनों को याद किया और एकेडमी के बच्चों की बैडमिंटन से जुड़ी अनेक चुनौतियों और जिज्ञासाओं को साझा किया। श्री देवेन्द्र कौशल ने तनीषा की सफलता को उसके जज्बे और जुनून का परिणाम बताया। भारतीय बैडमिंटन जूनियर टीम के कोच रहे श्री देवेन्द्र कौशल स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) से सेवा निवृत्त होने के पश्चात अब एक्सीलिया बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षुओं के हुनर को निखार रहे हैं।श्री देवेन्द्र कौशल ने कहा कि अनुशासन, लगन, बैडमिंटन की प्रति पूरी गंभीरता और न हार मानने का जज्बा ही तनीषा कोऔरों से अलग करता है,जब अन्य खिलाड़ी कुछ समय पश्चात प्रशिक्षण में लापरवाही बरतने लगते थे, वहीं तनीषा पूरी शिद्दत से उनके निर्देशों का पालन करती थी। इसमें चाहे केडी सिंह बाबू स्टेडियम के मैदान के 20 चक्कर लगाने हों या प्रशिक्षण व उससे जुड़े अन्य निर्देश। तनीषा ने मन लगाकर सीखा, जिसका फल यह है कि उसको अपने बीच पाकर और अन्य लोगो से उसको मिलवाकर मेरा सीना गर्वसे फूल गया है। देवेन्द्र जी ने इस दौरान तनीषा के माता–पिता श्रीमती पूनम सिंह और श्री योगेश सिंह और विशेष रूप से जिक्र किया, जिन्होंने तनीषा के खेल को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव समझौते किए, बस्ती से लखनऊ आए और यही नहीं उसके जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी तक की तिलांजलि दे दी। तनीषा ने भी कहा कि वह आज जो कुछ भी हैं वह उनके माता–पिता के त्याग और सहयोग की वजह से हैं। एक्सी लिया स्कूल और बैडमिंटन एकेडमी के निदेशक श्री आशीष पाठक ने कहा कि माता–पिता की मेहनत तभी साकार होती है जब तनीषा जैसी खिलाड़ी अपने सपने को साकार करने के लिए अपना सर्वस्व झोंकते हैं। इस दौरान एकेडमी के प्रशिक्षुओं ने खेल और पढ़ाई के साथ सामंजस्य, स्कूल जाने, प्रशिक्षण के तौर तरीके संबंधित अनेक रोचक प्रश्न पूछे, जिसके उत्तर तनीषा ने दिल खोलकर दिए। इस दौरान एक्सीलिया स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू श्रीवास्तव, श्रीमती शालिनी पाठक, श्री प्रवीण पाण्डे आदि मौजूद रहे और उन्होंने तनीषा को सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उससे भारत के लिए लगातार मेडल जीतने की बात कही।

रालोद की नगर निगम से सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की मांग

संवाददाता

लखनऊ। बढ़ती ठंड और शीत लहर को देखते हुए राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने महापौर लखनऊ एवं नगर आयुक्त को पत्र लिखकर शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की मांग की है। कड़ाके की ठंड से सबसे अधिक प्रभावित गरीब, असहाय, निराश्रित, बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चे हैं, जो फुटपाथों, खुले स्थानों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों तथा झुग्गी–झोपड़ी क्षेत्रों में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। रात के समय तापमान में भारी गिरावट के कारण इन लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

राष्ट्रीय लोकदल ने नगर निगम से मांग की है कि जनहित और मानवता के दृष्टिगत शहर के प्रमुख चौराहों, रैन बसेरों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों एवं भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर तत्काल अलाव जलवाने की समुचित व्यवस्था की जाए।

जीपीएस युक्त वाहनों से यूपी में खाद्यान्न उठान में बढ़ी पारदर्शिता

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न को चोरी, लीकेज और गड़बड़ी मुक्त करने की दिशा में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम एक गेम चेंजर बनकर उभरा है। 5 हजार से अधिक वाहनों के माध्यम से अनाज डिपो से उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न की आवाजाही अब पूरी तरह डिजिटल निगरानी में है। सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था और जीपीएस ट्रैकिंग की वजह से खाद्यान्न की एक–एक बोरी पर नजर रखी जा रही है, जिससे चोरी और कालाबाजारी पर रोक लगी है। प्रदेश में खाद्यान्न के उठान कार्यों में लगे 5000 से अधिक वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की जा चुकी है। इससे भारतीय खाद्य निगम के डिपो से उचित दर दुकानों तक होने वाला पूरा परिवहन रियल टाइम ट्रैक किया जा रहा है। वाहन कहां से चला, कहां रुका और तय समय में गंतव्य तक पहुंचा या नहीं, हर जानकारी कंट्रोल सिस्टम में दर्ज हो रही है। रास्ते में खाद्यान्न की हेराफेरी, डायवर्जन और कालाबाजारी लगभग समाप्त हो गई है। खरीफ विपणन सत्र 2025–26 में धान खरीद के दौरान जीपीएस ट्रैकिंग व्यवस्था अनिवार्य है। सभी जनपदों में क्रय केन्द्रों से राइस मिलों तक धान परिवहन में प्रयुक्त 3773 वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की गई है। मोटे अनाज मक्का, ज्वार और बाजरा के परिवहन के लिए 1428 वाहनों को भी जीपीएस से जोड़ा गया है सरकारी खरीद से लेकर भंडारण डिपो तक की पूरी सप्लाई चेन पारदर्शी हो गई है। प्रदेश में ब्लॉक गोदामों भारतीय खाद्य निगम के डिपो से सीधे उचित दरविक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। यह पूरा कार्य ई–टेंडर के माध्यम से नियुक्त ठेकेदारों से कराया जा रहा है जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम हुआ है और जवाबदेही तय हुई है।

मधुरिमा तुली ने खास अंदाज में किया फैंस को न्यू ईयर विश, दुनिया के सामने कह दी ये बात

एजेंसी

मुम्बई। दुनियाभर में लोग नए साल का जश्न मना रहे हैं और एक–दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं, बॉलीवुड से लेकर टीवी सेलेब्स तक फैंस को बधाई देने में लगे हुए हैं. अब टीवी

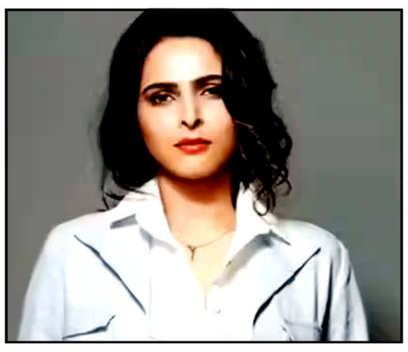

एक्ट्रेस मधुरिमा तुली एक बार फिर से सुर्खियों में छाई हुई हैं. मधुरिमा ने अपने खास अंदाज में फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने लेटेस्ट इंटरव्यू में जमानेके नाम एक बेहद प्यारा पैगाम दिया. बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए एक्ट्रेस ने फैंस को शुभकामनाएं दीं. एक्ट्रेस के पोस्ट पर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं. मधुरिमा तुली अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं. नए साल के इस मैसेज में उन्होंने दुनिया को एक बड़ी सीख भी दी उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा,आप सभी को नए साल की बहुत बहुत शुभकामनाएं, ये साल आपके लिए बहुत सारा प्यार, खुशी और सफलता ले कर आए. आप सभी को बहुत प्यार और हैप्पी न्यू ईयर. मधुरिया का ये बयान काफी चर्चा में बना हुआ है. उन्होंने हमेशा अपनी निजी और प्रोफेशनल जिंदगी में आने वाले उतार–चढ़ाव का सामना मजबूती से किया है.एक्ट्रेस ने चंद्र कांता सीरियल से घर–घर में अपनी अलग पहचान बनाई. फैंस उनके राजसी लुक और दमदार एक्टिंग ने दर्शकों को दीवाना बना दिया था। इसके अलावा उन्हें बिग बॉस और नच बलिए जैसे रिएलिटी शोज में देखा गया. मधुरिमा पिछले कुछ वक्त से ओटीटी प्रोजेक्ट्स में भी एक्टिव हैं और अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीत रही हैं. एक्ट्रेस को लोग बेहद पसंद करते हैं. वहीं, चंद्रकांता में उनकी एक्टिंग आज भी लोग याद करते हैं. मधुरिमा बेशक किसी टीवी शो में नजर नहीं आ रही हैं. लेकिन, सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 1 मिलियन फॉलोवर्स हैं, जो उन्हें बेहद पसंद करते हैं. एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग के साथ–साथ ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं।

मायावती का सरकार पर तीखा हमला, इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों को बताया सरकारी गैर–जिम्मेदारी का नतीजा

संवाददाता

लखनऊ। मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों और कई अन्य लोगों के गंभीर रूप

से बीमार होने की खबर ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है।इस दर्दनाक घटना पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे अत्यंत दुखद,चौंकाने वाला और सरकारी गैर–जिम्मेदारी का नतीजा बताया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, मध्य प्रदेश राज्य के इन्दौर शहर में प्रदूषित पानी पीने से अनेक निर्दोष नागरिकों की मौत तथा अन्य अनेक लोगों के बीमार हो जाने की अति–दुखद एवं चौंकाने वाली खबर काफी चर्चा में है तथा ऐसी सरकारी गैर–जिम्मेदारी व उदासीनता को लेकर लोगों में स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में व्यापक आक्रोश भी स्वाभाविक है।उन्होंने कहा, वैसे तो लोगों को खासकर साफ हवा और पानी आदि मुहैया कराना हर सरकार की पहली जिम्मे दारी होती है, किन्तु यहांअपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की तरह ही बुनियादी जनसुविधा के सम्बंध में भी सरकारी लापरवाही व भ्रष्टाचार आदि काफी घातक साबित हो रहा है तथा परिवार उजड़ रहे हैं,यह अति –दुखद व अति–चिंतनीय है। इस प्रकार की नागरिकों के जान से खिलवाड़ करने की शर्मनाक घटना की रोकथाम के लिये राज्य सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाते रहने की जरूरत है।मायावती ने आगे कहा कि केंद्र की सरकार को भी इसका उचित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई जरूर करनी चाहिए, ताकि देश के किसी अन्य राज्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं ना होने पाएं। बता दें कि इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से 7 लोगों की मौत और 40 से अधिक लोगों के बीमार पड़ने का मामला सामने आया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएच आरसी) ने इस घटना को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के अंदर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस घटना में हुई मौतों की संख्या को लेकर अलग–अलग दावे हैं।सरकारी आंकड़ों में 4–7 मौतें बताईजा रही हैं, जबकि स्थानीय निवासी और कुछ रिपोर्ट्स में 10–13 तक का दावा किया गया है, जिसमें एक 6 महीने का मासूम बच्चा भी शामिल है। 100 से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं, जहां डायरिया, उल्टी और अन्य जल जनित बीमारियों के लक्षण पाए गए हैं।

हनुमानजी के दर्शन किए, फिर दानपेटी चुराई

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में प्राचीन शीतला माता मंदिर से दानपात्र चोरी हो गया। सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो देखा कि दानपात्र गायब था। सीसीटीवी खंगाला गया तो चोरी करते एक युवक दिखाई दिया। वह सीधे दानपात्र के पास पहुंचा, लेकिन उसे छूने से पहले उसने हनुमानजी की ओर देखा। इसके बाद दानपात्र के ऊपर रखी सामग्री हटाई और फिर दानपात्र पकड़ते समय दोबारा हनुमानजी की ओर नजर डाली। चोर ने एक बार पसीना पोंछा, कुछ क्षण सोचा और फिर दानपात्र उठा लिया। जाते वक्त वह तीन कदम उल्टे पांव चला, मानो भगवान की ओर पीठ न करना चाहता हो। बाहर निकलते समय उसने मुड़कर एक बार फिर हनुमानजी के दर्शन किए। मंदिर में चोर नंगे पांव पहुंचा था, ऐसा लग रहा कि वह बाहर जूते या चप्पल निकाल कर गया था। घटना कैंटोनमेंट सदर क्षेत्र की है।

यूपी बन रहा है देश का उभरता दूरसंचार पावरहाउस

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दूर संचार क्षेत्र की तेजी से प्रगति हो रही है। प्रदेश में मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं का विस्तार शहरी के साथ –साथ ग्रामीण इलाकों में मजबूती से हो रहा है। इस विस्तार का सबसे बड़ा कारण सरकारी नीतिगत समर्थन और निजी निवेश है, जिससे प्रदेश में औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र का त्वरित गति से दायरा बढ़ता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि देश के अग्रणी दूरसंचार बाजारों में उत्तर प्रदेश का नाम प्रमुखता से शामिल है। योगी सरकार के विकास मॉडल से प्रदेश के डिजिटल क्षेत्र को नया आयाम मिल रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में देश भर में वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन रही। अक्टूबर 2025 में यह संख्या 1171.87 मिलियन था। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व और उत्तर प्रदेश पश्चिम दोनों लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्रों की भागीदारी विशेष रही है। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी बना हुआ है। नवंबर 2025 तक उत्तर प्रदेश पूर्व में 1.97 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 1.35 मिलियन पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़े यह दर्शाते हैं कि प्रदेश में मोबाइल सेवाओं की मांग अधिक है। फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस विशेष कर 5–जी आधारित सेवाओं में उत्तर प्रदेश की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 5–जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ताओं की संख्या 10. 41 मिलियन दर्ज की गई है। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व में 0.79 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं।केवल एक महीने के भीतर इन दोनों क्षेत्रों में हजारों नए उपभोक्ताओं का जुड़ना यह संकेत देता है कि सरकार की डिजिटल कनेक्टिविटी नीति का लाभ आम नागरिकों तक पहुंच रहा है। दूर– दराज के गांवों में भी हाई स्पीड इंटरनेट की उपलब्धता शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसर खोल रही है।वायरलाइन सेवाओं के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही। उत्तर प्रदेश में सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और शहरी आवासीय क्षेत्रों में वायर लाइन कनेक्शन की मांग बनी हुई है। योगी सरकार द्वारा ई–गवर्नेंस सेवाओं को व्यापक रूप से लागू किए जाने से विश्वसनीय और सुरक्षित कनेक्टिविटी की आवश्यकता बढ़ी है जिससे वायर लाइन नेट वर्क को मजबूती मिली है। सक्रिय मोबाइल उपभोक्ताओं के मामले में भी प्रदेश कीस्थिति सशक्त बनी हुई है। अक्टूबर की तुलना में नवंबर 2025 तक में देश भर में कुल मोबाइल उपभोक्ताओं में से 1090.91 मिलियन उपभोक्ता सक्रिय पाए गए।

बदन पर पट्टियां, हाथ में शराब, स्पिरिट से प्रभास और तृप्ति के इंटेंस फर्स्ट लुक ने मचा दिया बवाल

एजेंसी

मुम्बई। नए साल पर फिल्मों के साथ सरप्राइज देने की अपनी परंपरा

को निभाते हुए, फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी बहुत इंतजार वाली फिल्म स्पिरिट का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया. इसमें प्रभास और त्रिप्ति डिमरी लीड रोल में हैं. प्रभासके फर्स्ट लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और नेटिजन्स इसकी बहुत तारीफ कर रहे हैं. वांगा ने एक्स पर पोस्टर शेयर किया और लिखा, इंडियन सिनेमाज अपने अजानुबाहुडू /अजानुबाहु को देखें. हैप्पी न्यू ईयर 2026. मेकर्स ने अपने कैप्शन से एक्साइटमेंट को और बढ़ा दियारू आपको वह पसंद था, जो पहले था. अब उससे प्यार करें जिसके बारे में आपको कभी पता नहीं थाज पोस्टर अपने आप में बहुत शानदार और इंटेंस है. इसमें घायल प्रभास खिड़की के पास खड़े हैं, जबकि त्रिप्ति को सिगरेट जलाते हुए देखा जा सकता है.बिना कपड़ों के प्रभास ने ऑफ–व्हॉइट पैंटऔर काले चश्मे में हाथ में शराब की बोतल लिए पोज दिया है. दूसरी ओर, बेज रंग के आउटफिट और सिंपलसोने की चूड़ी पहने त्रिप्ति ने इस कच्चे फ्रेम में एक अजीब सी शांति जोड़ दी है. यह तस्वीर एक साथ दर्द, ताकत और खतरे का एहसास कराती है. फैंस ने तुरंत अपने रिएक्शन दिए। एक यूज़र ने लिखा, 2026 विश से शुरू नहीं होता, यह एक वॉर्निंग से शुरू होता है. एक और कमेंट में लिखा था, किंग खून बह रहा है, लेकिन स्वैगर में कोई बदलाव नहीं है. कई लोगों को लगा कि अकेले पोस्टर में ही बॉक्स ऑफिस को हिला देने के लिए काफी इंटेंसिटी थी,एक फैन ने दावा किया कि टीजर सर्वर पिघला देगा. एक और फैन ने लुककी तुलना वांगा के पिछले काम से की और कहा, रणविजय सिंह वार्म–अप थे. यह आदमी ऐसा दिखता है, जैसे वह नाश्ते में 500 किलो की मशीन गन खा जाएगा. एक और ने इसे अर्जुन रेड्डी का और भी बड़ा वर्शन कहा. कई फैंस ने बड़ी संख्या की भविष्यवाणी की, और पूरे भरोसे के साथ कहा कि स्पिरिट अकेले हिंदी मार्केट में 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगी. वंगा और प्रभास की पहली कोल बोरेशन स्पिरिट को भूषण कुमार की टी–सीरीज और भद्रकाली पिक्चर्स ने सपोर्ट किया है. प्रभास और त्रिप्ति के अलावा, फिल्म में प्रकाश राज और विवेक ओबेरॉय भी अहम रोल में हैं, और खबर है कि विवेक विलेन का रोल कर रहे हैं. इससे पहले, अक्टूबर में प्रभास के जन्मदिन पर, मेकर्स ने पांच भाषाओं में एक ऑडियो टीजर रिलीज किया था.टीजर से पता चला कि प्रभास एक आईपीएस ऑफिसर का रोल कर रहे हैं, जो अभी जेल में है.फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है,और अगर फर्स्ट लुक को देखें, तो फैंस को वंगा की एक और बोल्ड पेशकश के लिए तैयार हो जाना चाहिए।

बॉलीवुड में मौके खोने का था डर, इसलिए त्रिधा चौधरी ने हॉलीवुड प्रोजेक्ट से बनाई दूरी

एजेंसी

मुम्बई। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी हाल ही में फिल्म किस किस को प्यार करूं–2 में नजर आई थीं। उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि वह अलग–अलग फिल्म को बहुत सोच समझकर चुनती हैं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि हॉलीवुड से एक अच्छा ऑफर मिला था, लेकिन बोल्ड सीन्स करने से उन्हें बाकी जगह से ऑफर ठुकरा दिए जाते। अभिनेत्री ने कहा, मुझे अच्छी तरह से पता था कि ऐसे सीन करने से मेरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। खासकर बॉलीवुड और अन्य भारतीय इंडस्ट्री में मौके कम हो जाते हैं। अभिनेत्री ने समझाया कि बोल्ड सीन करने से उन्हें एक खास तरह की इमेज मिल जाती है। इससे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल सकते थे। वे नहीं चाहती थीं कि एक प्रोजेक्ट की वजह से उनका लंबे समय का करियर खतरे में पड़ जाए। उन्होंने कहा, अगर मैं हॉलीवुड में एक ऐसा प्रोजेक्ट करती, जिसमें बोल्ड सीन्स होते, तो इससे मेरे कई अन्य प्रोजेक्ट्स रुक जाते हैं। मुझे यह पहले से पता था। यही वजह थी कि मैंने पहले से हॉलीवुड में कदम रख लिया है, तो अलग तरीके से आगे बढ़ सकती हूं,लेकिन सिर्फ एक प्रोजेक्ट के लिए बॉलीवुड या कहीं और का अपना लंबा सफर जोखिम में नहीं डालूंगी। त्रिधा हाल ही में

कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं–2 में नजर आई थी। फिल्म में कपिल और त्रिधा के अलावा, आयशा खान, पारुल गुलाटी और हीरा वरीना मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अखिलेंद्र मिश्रा कपिल शर्मा के पिता के रोल में हैं। उन्होंने फिल्म के सबसे मजेदार पल दिए मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें हंसी, मस्ती, दोस्ती और खुशियों से भरे पल शामिल हैं। हालांकि, फिल्म को दर्शकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म धुरंधर के आगे कपिल शर्मा की ये फिल्म ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी थी।

बलिया-मछुआरा समाज के पुरुष व महिला ने गंगा नीलामी को निरस्त करने की मांग को लेकर किया धरना प्रदर्शन

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'मंडल-प्रभारी,आजमगढ़-मंडल(बलिया,मऊ,आजमगढ़) मो०न०-08115659303

बलिया- मछुआरा समाज के लाखों लोगों की जीविका व जीवन की रक्षा के लिए नीलामी प्रक्रिया जो गलत तरीके से चुपके-चुपके हुई है जिसे निरस्त किया जाये जो जनहित में जरूरी है। चूंकि हिन्दू आस्था का प्रतिक गंगा नदी पौराणिक है।

जिसे पवित्र और सुरक्षित रखने वाले मछूआरा परिवार के लोग आज रोजी, रोटी की समस्या के चलते भूखमरी के लिए मजबूर हो रहे है । ऐसी स्थिति में निषाद केवट, मल्लाह समाज की मांगो को देखते हुए गंगा की प्रदेश के मुखिया योगी बाबा से नीलामी को तत्काल निरस्त करने की मांग की है।सैकड़ो मछुआरा समाज के बुढ़े,बच्चे और महिलाओ ने कलक्ट्रेट परिसर के ए०डी०एम कार्यालय के सम्मुख भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिह के नेतृत्व एक दिवसीय धरना दिया।जिसमें वक्ताओ ने प्रदेश के न्याय प्रिय मुख्य मंत्री से मांग की है कि गंगा की निलामी तत्काल निरस्त कराने के आदेश देने की कृपा करे ताकि हम मछुआरो की जीविका और परिवार के सदस्यो को भुखमरी से बचाया जा सके धरना मे पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट आशा राम को मुख्य मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपा इस अवसर पर गुलाबचंद,संदीप अशोक तेज नारायण ध्रुव नारायण रमेश धूपन साहनी नुक्कड़ सनी धनुष सनी गंगासागर अजय साहनी श्री कृष्णा साहनी आदि मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर 11वीं की छात्रा से दोस्ती कर अश्लील वीडियो बनाकर वसूली करने वाले पर एफआईआर

कानपुर ।बजरिया थाना क्षेत्र के सीसामऊ में ग्याहरवीं की छात्रा से युवक ने इंस्टाग्राम से दोस्ती की। इसके बाद उसका अश्लील वीडियो बनाकर फोन पे के माध्यम से 4900 रुपये की वसूली की। छात्रा की मां ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। सीसामऊ की रहने वाली महिला ने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी कक्षा 11 की छात्रा है। आरोप है कि बेटी की दो साल पहले इंस्टाग्राम पर प्रिंस पटेल नाम के लड़के से दोस्ती हुई थी। उस दौरान दोनों वीडियो कॉल पर बात करते थे। आरोपी प्रिंस ने नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर उसका अश्लील वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया था ।फरवरी 2025 में प्रिंस ने पति को कॉल कर बेटी का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर बदनाम करने के एवज में 10 हजार रुपये की वसूली मांगी। इस पर उन लोगों ने घबराकर चार जुलाई को प्रिंस पटेल के मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन फोन पे के माध्यम से 1500, आठ जुलाई को 2500 रुपये और 900 रुपये ट्रांसफर कराए। आरोप है कि प्रिंस फिर से फोन करके बची रकम लगातार देने के लिए दबाव बनाकर धमकी दे रहा है। इस परिवार के लोग बेहद परेशान हैं।

बलिया-पूर्व सांसद रहे श्रद्धेय स्व-जगन्नाथ चौधरी जी की-26-वीं-पुण्य-तिथि मनाई गई

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'मंडल-प्रभारी,आजमगढ़-मंडल(बलिया,मऊ,आजमगढ़)-मो०न०-08115659303

बलिया-नगर के कदम चौराहा स्थित प्रतिमा स्थल पर सर्वदलीय श्रद्धजलि सभा की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार डा०जनार्दन राय ने कहा कि पूर्व सांसद जगन्नाथ चौधरी जनपद के विकास के रूप में एक राजनैतिज्ञ मनीषी थे।उन्होने जो बलिया जिले के सोचा था,वह अब तक के लोग धरातल पर पूरी तरह से उतार पाने में सफल नही हो सके है वे नगर के कदम चौराहा पर आयोजित श्रद्धाजलि सभा मे श्री राय अपने उद्गार व्यकत करते व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर वक्ताओ ने उन्हे जनपद का विकास पुरुष बताया,उनके कार्यकाल की उपलब्धियो से अवगत कराया। इस अवसर पर सांसद पुत्र दीना नाथ चौधरी ने बताया कि स्व०चौधरी सादा जीवन उच्च विचार का आजीवन पालन करते रहे।उन्होने राजनिती में युवाओ की राजनैतिक सोच को समाज के शुभ संकेत बताया।इस अवसर पर पूर्व विधायक सुधीर राय,निर्मल उपाध्याय,कांग्रेस के जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक,मुन्ना उपाध्याय,जीतेन्द्र राय, पूर्व नपा अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता, शशिकान्त चतुर्वेदी,रामनाथ सिंह, अनिल राय,ओम प्रकाश तिवारी,भैय्या लल्लू सिंह,रमाशंकर तिवारी,अवधेश ठाकुर,जाकिर हुसैन,एड०प्रेम शंकर वर्मा,भरत यादव,दिग्विजय सिंह,राजेन्द्र चौधरी आदि मौजूद रहे संचालन रमाशंकर यादव ने किया।

बलिया-जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय व्यापार बंधु की बैठक सम्पन्न,कई अहम दिए निर्देश

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मंडल-प्रभारी, आजमगढ़-मंडल (बलिया, मऊ, आजमगढ़)-मो०न०-08115659303

बलिया-जिला स्तरीय व्यापार बंधु की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं की बिंदुवार समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने महिला अस्पताल परिसर एवं चमन सिंह बाग रोड पर सुलभ शौचालय निर्माण के लिए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया साथ ही जनपद की सभी नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शौचालय, मूत्रालय तथा शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा विकासखंड बांसडीह अंतर्गत ग्राम केवरा बाजार में सड़क पर ही बाजार लगने के कारण पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने केवरा बाजार को बलेउर मंडी में शिफ्ट कराने के निर्देश दिए ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके वार्ड,नं०-10-में जगन्नाथ चौधरी की मूर्ति के दाहिने तरफ वाले मार्ग पर बांस के सहारे विद्युत लाइन खींचे जाने का मामला भी उठाया गया इसे जान-माल के लिए खतरा बताते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग को तत्काल वहां विद्युत खंभा लगाकर सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा बलिया शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी को जानकारी मिली कि कई कैमरे खराब हैं, जिस पर उन्होंने संबंधित विभाग को जांच कराकर सभी सीसीटीवी कैमरों को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनहित और व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। बैठक में डीडीओ आनंद प्रकाश एवं सभी व्यापार बन्धु उपस्थित रहे।

आजमगढ़-सड़क के किनारे मिला युवक का शव हत्या से मचा हड़कंप

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'मंडल-प्रभारी,आजमगढ़-मंडल(बलिया,मऊ,आजमगढ़)-मो०न०-08115659303

आजमगढ़- जनपद के मेहनाजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दरियापुर नवादा निवासी अखिलेश कुमार सोनकर की हत्या कर शव को सड़क किनारे फेंक दिए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल बन गया। हत्या की खबर फैलते ही परिजन और स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए और मेहनाजपुर तिराहे पर पहुंचकर चक्का जाम कर दिया,जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया स्थानीय लोगों का आरोप है कि हत्या बेहद नृशंस तरीके से की गई और शव को पहचान मिटाने की नीयत से सड़क किनारे फेंका गया। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी फिलहाल क्षेत्र में पुलिस स्थिति पर कड़ी नजर बनाई हुई है एस०पी०सिटी-मधुवन कुमार सिंह ने मामले को संज्ञान में लिया।

बलिया-राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष-राजेश'महाजन' ने मनाया संगठन का प्रथम-स्थापना दिवस

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'मंडल-प्रभारी,आजमगढ़-मंडल(बलिया,मऊ,आजमगढ़)-मो०न०-08115659303

बलिया-राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघ तत्वधान में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कदम चौराहा गौशाला रोड में दिनांक-1-जनवरी-2026-दिन गुरुवार को राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघ के राष्ट्रीय,अध्यक्ष-राजेश'महाजन'के नेतृत्व महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्षा-दुर्गा देवी द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि- जिला चिकित्सालय के सी०एम०एस० डॉ० सुजीत कुमार यादव एवं विशिष्ट अतिथि चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ०दीपक गुप्ता एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ०रितेश सोनी की गरिमा में उपस्थिति रही कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं अध्यक्षता कर रही केंद्र की संचालिका सुमन दीदी ने अतिथिगण को अंगवस्त्रम एवं बाबा का सौगात देकर के सम्मानित किया और संगठन के एक वर्ष पूर्ण होने और स्थापना दिवस पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष-राजेश'महाजन'को कोटि-कोटि बधाई दी और आगे बढ़ने का बाबा का वरदान बताई कार्यक्रम के मुख्य,अतिथि ने पत्रकार को समाज का आईना बताते हुए समाज में अहम भूमिका निभाने को बताया और कहां की पत्रकार बंधुओ को सही आवाज उठाने चाहिए जिससे समाज को एक अच्छा संदेश मिले वही कार्यक्रम के विशिष्ट तिथि डॉ०दीपक गुप्ता ने पत्रकार को समाज का प्रहरी बताया और कहा कि पत्रकार कभी पक्षकार नहीं होता इसी क्रम में विशिष्ट- अतिथि डॉ०रितेश सोनी ने संगठन के एवं संगठन के राष्ट्रीय,अध्यक्ष-राजेश 'महाजन' के प्रति आत्मीयता बताते हुए एवं पत्रकारिता जगत को देश का चौथा स्तंभ बताते हुए सही दिशा में कार्य करने का मार्गदर्शन दिया महिला-प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्षा -दुर्गा देवी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त होने को बताया और कहा कि महिलाओं को समाज मे कुरीतियों का डटकर के सामना करना चाहिए और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश 'महाजन' ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का एवं पत्रकार बंधुओ को आभार प्रकट किया और मीडिया द्वारा संगठन के गठन के सवालों पर कहा कि पत्रकार संघ का गठन पत्रकार बंधु को एकजुट करने का उद्देश्य बताया और कहां के संगठन के द्वारा हम एक दिशा में चल सकते हैं कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघ के महिला-प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा-शांति देवी, संरक्षकगण में राकेश कुमार गुप्ता, राजू गुप्ता, सुभाष जी गुप्ता, कानूनी सलाहकार-प्रेम शंकर वर्मा,गणेश तिवारी (पत्रकार),धनजी भारती(पत्रकार)एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बलिया-समाजवादी पार्टी ने किया-बी0एल0ए0-की समीक्षा बैठक में-एसआईआर की कमियों को उजागर

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'मंडल-प्रभारी, आजमगढ़-मंडल (बलिया, मऊ, आजमगढ़)-मो०न०-08115659303

बलिया-सांसद सनातन पाण्डेय ने कहा कि आने वाले वर्ष की शुभकामनाएं देते कहा कि आगामी विधान सभा चुनाव मे प्रदेश में पुनः अखिलेश यादव की सरकार बनने जा रही है।प्रदेश के मतदाता हमारे नेता की ओर आशा भरी नजरों से देख रही। इसके लिए हम सभी को एकजूट हो कर अभी से प्रयास करना होगा।उन्होने कहा कि व्यापक स्तर समाजवादी पार्टी के सम्भावित मतदाताओं के 2003की वोटर लिस्ट मे नाम नही है तो निराश होने की जरूरत नही है।एस आईआर से सचेत होने की अवश्य जरुरत है।प्रदेश के मुख्य मंत्री कह रहे हैं की-4- करोड़ मतदाताओ के नाम काटने की बात तो कर रहे हैं जो एक बहाना है। जो इसमें सतर्क नहीं रहेगा उसे डूब जाना है।पुलवामा की आंतकी घटना नहीं है बल्कि एक सोची समझी साजिश का परिणाम है बंगला देश में अल्प संख्यक पर विगत एक वर्षो से हो रही है,भाजपा इसे भूनाने के लिए हिन्दू की हत्या का रुप दे रही है।हमारे पास एक हथियार है वह है मत देने का अधिकार है सत्ता में बैठे लोग पहले मतदान की बदौलत सदन में बैठे है उन्ही मतदाताओ को अब एसआईआर के जरिये उन्हे गलत ठहराया जा रहा है समाजवादी के कार्यकर्ताओ की ही बाते सुनी जायेगी भाजपा का काम सरकार कर रही है हमे अपने वोटर लिस्ट पर नजर रखना होगा।जितनी गम्भीरता से समाजवादी पार्टी काम कर रही है देश की कोई भी पार्टी इसे गम्भीरता से नहीं ले रही है। मै अपने कार्यकर्ताओ का आजीवन ऋणी रहूंगा जिनके बलपर मै सांसद बना युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरी ने विस्तार से-एसआईआर-पर? प्रकाश डाला सपा की गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण व समीक्षा बैठक में डा०विश्राम यादव,यशपाल सिह,साथी रामजी गुप्ता, प्रभारी अवलेश सिंह, शशिकान्त चतुर्वेदी,लक्ष्मण गुप्ता,संजय उपाध्याय,पूर्व विधायक मंजू सिंह,विधायक संग्राम सिह यादव, कामेश्वर सिंह,राजन कनौजिया, सुशील पाण्डेय कान्हजी, जलालुद्दीन जेडी आदि मौजूद रहे।अध्यक्षता नगर अध्यक्ष केदार नाथ पटेल,और सपा के वरिष्ठ नेता संचालन जमाल आलम ने किया।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।